

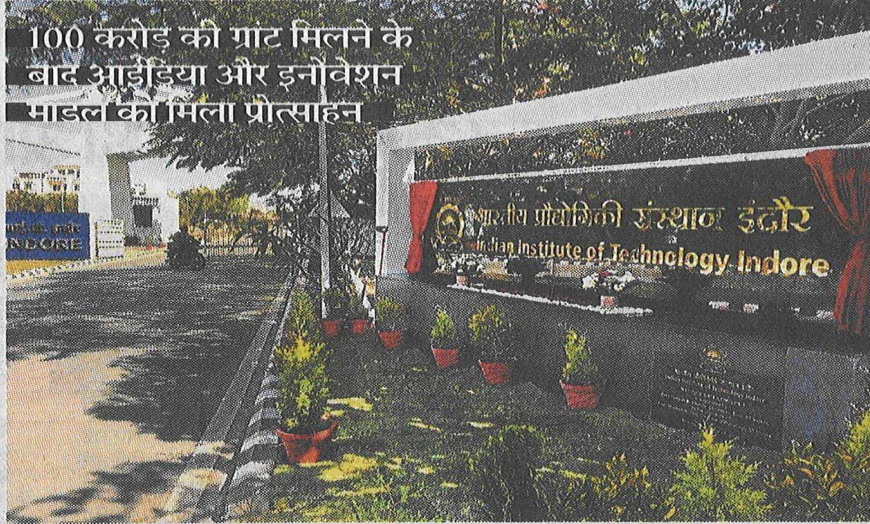
करियर

इंदौर में स्थित प्रदेश का एकमात्र आईआईटी अब आत्मनिर्भर भारत के विजन पर आगे बढ़ेगा

टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब बनेगा आईआईटी इंदौर

Zoom रिपोर्टर
patrika.com

मध्यभारत को तकनीक एवं इनोवेशन के क्षेत्र में नए आयाम दिलाने के लिए इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब (टीआईएच) बनाने जा रहा है जिसके लिए संस्थान को साइंस एंड टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट द्वारा 100 करोड़ के अनुदान की मंजूरी दी गई है। यह टीआईएच सिस्टम सिमुलेशन, मॉडलिंग और साइबर फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) पर आधारित होगा। इन सब बदलावों के बाद आईआईटी इंदौर प्रदेश की शिक्षा में सृजन का मुख्य केंद्र बनेगा।



100 करोड़ की ग्रांट मिलने के बाद आईआईटी और इनोवेशन हब का मिला प्रोत्साहन

सीपीएस में रुचि रखने वाले जुड़ सकते हैं

आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर (कार्यवाहक) प्रोफेसर नीलेश जैन ने बताया कि हम इसमें साइबर फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) को लेकर काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में जितने लोग काम कर रहे हैं उनके लिए हम इनोवेशन हब बनाएंगे जो भी इस क्षेत्र में रुचि रखता है वो दृष्टि के अंदर में अप्लाई कर सकते हैं। इसमें ट्रेनिंग, वेबिनार, वर्कशॉप आदि का आयोजन

किया जाएगा। जो भी जुड़ना चाहता है वो प्लान व प्रोजेक्ट तैयार कर हमें भेजेंगे। इसमें यह देखा जाएगा कि सीपीएस को डवलप करने व कमर्शलाइज करने योग्य है या नहीं। यदि उचित लगा तो उन्हें सपोर्ट किया जाएगा। रिसर्च एंड डवलपमेंट, इंक्यूबेशन, पेटेंट फाइल करने के साथ ही इंडस्ट्री के साथ जॉइंट वेंचर में मदद की जाएगी।

नॉलेज शेयरिंग पर होगा फोकस

टीआईएच में नॉलेज शेयरिंग एक्टिविटीज के आयोजन पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसमें इंडस्ट्री ड्राइवन कोर्सेज (एग्जीक्यूटिव डवलपमेंट प्रोग्राम, कंटीन्यूटी एजुकेशन प्रोग्राम) ट्रेनिंग, वेबिनार, स्किल डवलपमेंट प्रोग्राम्स, वर्कशॉप, हैकथॉन, ऑनलाइन पाठ्यक्रम और टिकरिंग गतिविधियां शामिल होंगी। भारत सरकार की पहल जैसे स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, स्टार्ट-अप इंडिया को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जाएंगी।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम



आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी यह एक बेहतर कदम होगा। हमने इसे इनोवेशन हब इसीलिए नाम दिया है ताकि कुछ नया बनाया जाए और उसे हमारे द्वारा ही प्रोड्यूस किया जाए। हमारा उद्देश्य नए आईआईटी और इनोवेशन को प्रोत्साहन देना है।

- प्रोफेसर नीलेश जैन, आईआईटी इंदौर डायरेक्टर (कार्यवाहक)

8 फैकल्टी मैम्बर्स द्वारा दिया गया था प्रस्ताव

यह प्रस्ताव, आईआईटी इंदौर के 8 फैकल्टी मैम्बर्स द्वारा दिया गया था। इनमें डॉ. पवन कुमार कांकर, डॉ. भूपेश कुमार लाड, प्रो. अभिनव क्रांति, डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव, प्रो. संदीप चौधरी, डॉ. अंकुर मिगलानी, डॉ. भार्गव वैद्य और डॉ. किरण बाला शामिल थे। टीआईएच के जरिए साइबर फिजिकल सिस्टम्स के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी विकास और प्रोडक्ट कमर्शलाइजेशन को लेकर विशेष रूप से काम किया जाएगा। कुशल मानव संसाधन विकास का लक्ष्य रखा जाएगा।